राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन के उद्देश्य

4831. **श्री राम नरेश यादव** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजीव गांधी राष्ट्रीय पेय जल मिशन के उद्देश्य क्या थे ;

(ख) क्या मिशन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो पानी की कमी का सामना कर रहे सभी गांवों को पेय जल सुविधायें कब तक उपलब्ध करा दी जायेंगी और यदि नहीं, तो मिशन के सफल न होने के क्या कारण थे ।

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तम भाई एच० पटेल) : (क) राजीव गांधी राष्ट्रीय पेय जल मिशन के उद्देश्य 1.4.1986 को शेष बचे सभी समस्याग्रस्त गांवों, जिनकी संख्या 1,3 ,155 थी, में पेयजल की सुविधायें मुहैया कराना, सभी क्षेत्रों में मानव उपभोग के लिए प्रति दिन प्रति व्यक्ति 40 लिटर तथा मरू-स्थली क्षेत्रों में पशुओं के लिए प्रतिदिन प्रति पशु 30 लिटर अतिरिक्त स्वच्छ पेयजल सप्लाई करना, योजना आवंटन की सीमा में इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कम लागत वाली प्रौद्योगिकी तैयार करना और पानी की निरन्तर सप्लाई के लिए उपाय करना है ।

(ख) 31.3.92 तक "बिना स्रोत" वाले 2968 समस्याग्रस्त गांवों को छोड़कर पता लगाए गए सभी समस्याग्रस्त गांवों में पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से स्वच्छ पेयजल की सुविधायें उपलब्ध करा दी गई थीं । मिनी मिशन परियोजनाओं की अनुमोदित लागत का 74.8 प्रतिशत का इस्तेमाल कर लिया गया था । इसके अतिरिक्त, अभी तक 135 खारापन दूर करने के संयंत्र, 5057 लौह दूर करने के संयंत्र, 169 हैंडपम्प वाले तथा 63 फिल एण्ड ड्रा टाइप फ्लोराइड दूर करने के संयंत्र लगाए गए हैं । गिनीकृमि को दूर करने के कार्यक्रम के अंतर्गत 1.1.1986 को गिनीकृमि से प्रभावित जो 23070 मामले थे, वे 1.7.92 को घटकर 582 रह गए थे और प्रभावित गांव जो 7102 थे, 1.1.92 को घटकर 1906 रह गए हैं । 6628 सीढ़ीदार कुओं को स्वच्छ कुओं में बदला गया है । वैज्ञानिक तरीकों से जलस्रोतों का पता लगाने के लिए 447 जिलों के लिए उपग्रह छायांकन (सैटेलाइट इमेजरीज) तैयार किए गए थे। 84 स्थायी और 17 चलती-फिरती जल जांच प्रयोगशालाएं भी शुरू की गई हैं ।

(ग) शेष सभी 2968 "बिना जल स्रोत" वाले समस्याग्रस्त गांवों में 1992–93 के अंत तक पेयजल मुहैया करा दिए जाने की संभावना है । देश के सभी गांवों/बस्तियों में आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा दिया जाएगा ।

ग्रामीण जल आपूर्ति तथा मल-जल निकास परियोजनाओं के लिए वित्तीय संस्था की स्थापना

4832. **श्री छोटूभाई पटेल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ग्रामीण जल आपूर्ति तथा मल-जल निकास परियोजनाओं में जनता के अंशदान और निवेश को प्रोत्साहन देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक वित्तीय संस्था स्थापित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई एच० पटेल): (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।